DAINIK BHASKAR, Surat, 9.8.2023
Page No. 2, Size:(7.61)cms X (10.76)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: 13 अधिकारी प्रशिक्षण के लिए जापान जाएंगे

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के 13 अधिकारी 10 महीने के प्रशिक्षण के लिए जापान जाएंगे। ये अधिकारी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के ऑपरेशंस एंड मेंटेनेंस विभाग के मिडिल मैनेजमेंट से जुड़े हैं। इन अधिकारियों को जापानी हाई स्पीड शिंकानसेन तकनीक को लेकर 'ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग दी जाएगी। विभिन्न तकनीकी विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले ये अधिकारी भारत के पहले हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के प्रबंधन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य हाई-स्पीड रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के संचालन और रखरखाव में विशेष ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करना है। इस प्रशिक्षण से अधिकारियों को जापानी हाई स्पीड रेल सिस्टम की नवीनतम तकनीक, सर्वोत्तम परिचालन पद्धतियों के बारे में जानने का मौका मिलेगा।

NAV-BHARAT, Mumbai, 10.8.2023
Page No. 3, Size:(5.41)cms X (3.60)cms.

अधिकारियों की जापान में ट्रेनिंग

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: 10 माह तक होगा प्रशिक्षण

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क.

जैसे-जैसे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम आगे बढ़ता जा रहा है, वैसे ही इसे बनाने वाली कंपनी एनएचएसआरसीएल भी अपनी तैयारी को आगे बढ़ा रही है. जारी प्रेस नोट के अनुसार इसके ऑपरेशन और मेंटेनेंस विभाग के 13 मिडिल मैनेजमेंट अधिकारियों ने जापानी शिंकनसेन टेक्नोलॉजी कंपनी में 'ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग' शुरू करने का निर्णय लिया है. 10 महीनों

तक यह प्रशिक्षण जापान के विभिन्न स्थानों पर दिया जाएगा. प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य हाई-स्पीड रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के संचालन और रख-रखाव में विशेष ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करना है.

SAKAL, Mumbai, 10.8.2023
Page No. 3, Size:(6.44)cms X (7.00)cms.

Bullet Trains's officer are given 'on the job' training

बुलेट ट्रेनच्या अधिकाऱ्यांना 'ऑन द जॉब' प्रशिक्षण

मुंबई, ता. ९ : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्प महाराष्ट्र आणि गुजरातमध्येही प्रगतिपथावर आहे. स्थापत्य बांधकामांसह आता प्रकल्पाच्या प्रचलन आणि व्यवस्थापनाच्या दृष्टिकोनातूनही हाय-स्पीड रेल्वे कॉरिडॉरच्या माध्यमातून गती मिळते आहे. याच पार्श्वभूमीवर नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडच्या (एनएचएसआरसीएल) अधिकाऱ्यांना प्रशिक्षण दिले जाते आहे. जपानी तंत्रज्ञानावर आधारित 'ऑन द जॉब' हे ट्रेनिंग दिले जाणार आहे.

एनएचएसआरसीएलच्या प्रचलन आणि व्यवस्थापन विभागाचे १३ मिडल मॅनेजमेंट ऑफिसर जपानी शिंकनसेन टेक्नॉलॉजीमध्ये 'ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग' घेणार आहेत. हे अधिकारी मुंबई आणि अहमदाबाददरम्यान भारतातील पहिल्या हाय स्पीड रेल्वे कॉरिडॉरच्या व्यवस्थापनात आणि संचलनात महत्त्वाची भूमिका बजावतील. हे १० महिन्यांचे प्रशिक्षण जपानमधील विविध ठिकाणी होणार आहे. प्रशिक्षणाचा मुख्य उद्देश हाय स्पीड रेल्वे पायाभूत सुविधांचे संचालन आणि देखभाल करण्यामध्ये विशेष ज्ञान आणि कौशल्य प्रदान करणे आहे.